तर्ज- आपके पहलू में आकर रो दिए

आपसे नजरें चुरा कर रो दिए
शान झूठी हम जता कर रो दिए

1- हमको क्या मालूम थी गुजरेगी क्या,
आपसे मुख मोड़ कर बीतेगी क्या
हम तो सब कुछ ही गंवा कर रो दिए

2- जी रहे हैं पर जिया जाता नहीं,
रास्ता कोई नजर आता नहीं
दर्द को दिल में छिपा कर रो दिए

3- पास रहकर भी बहुत ही दूरी है,
क्या खबर हाय ये क्या मजबूरी है
हाले दिल खुद को सुना कर रो दिए

Nijanand App